

श्री जू नाम प्रताप सां मां थियुसि जग़त जो नाथु।
 श्री जू नाम प्रताप सां सभु देव था नाइनि माथु॥
 श्री जू नाम प्रताप सां सारे जग़ खे थो पालियां।
 श्री जू नाम प्रताप सां सभु साहिबी सम्भालियां॥
 श्री जू नाम प्रताप सां थियुसि अच्युत अविनाशी।
 श्री जू नाम प्रताप जा मां अनदिन अभिलाषी॥
 श्री जू नाम मुकुट मथे ते कननि कुण्डल श्री जू नामु।
 श्री जू नाम अंजनु नेणनि में नाम आ तिलकु ललाम॥
 श्री जू नाम जी कमली कंधे ते श्री जू नाम गलि हार।
 श्रीजू नाम आ दिलि में दाइम श्रीजू नाम आ साह सींगार॥
 श्री जू नाम आ प्राणनि पोषक श्रीजू नाम आ भोजन पान।
 श्री जू नाम आ जपु तपु मूं लाइ श्री जू नाम तीर्थ इस्नान॥
 साह साह में श्री जू नाम जी सुहिणी वजे सितार।
 स्वामिनि नाम प्रताप सां सदां माणिया मौज अपार॥
 श्री जू नाम खे गाए मैगसि जग़ खे पावन कयड़ो।
 श्री जू नाम धुनिड़ी बुधंदे अन्दर में आनंद थियड़ो॥
 नाम गायां केद्री वड़ाई सभु कुछु मूं लाइ नाम।
 श्रीजू गायां श्रीजू ध्यायां नाम श्रीजू सब सुख धाम॥